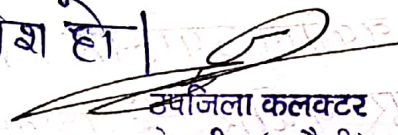
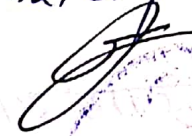


न्यायालय उप जिला कलेक्टर टोडाभीम

9

गा

क्रमांक	फर्द अहकाम	
	<p>क्रमांक 18/16 तारीख 04.3.16</p> <p>उपवान - बामगोपाल बनाम गंगा कोठे दावा - इस्तफरारदक व स्थायी निषेधज्ञा वादी की ओर से Adv. हंसराम शूरी ने दावा प्रकृत इस्तफरारदक व स्थायी निषेधज्ञा पेश किया। शोधपत्र व जमा बन्दी का अव- लोचन किया। दावा दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादी- गण को जरिये सम्मन से तलब कर पत्रावली दिनांक 14.3.16 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  उपजिला कलेक्टर टोडाभीम (करौली) </p>	<p>561-64 4.3.16</p>
<p>14316</p> <p>4 11/16</p>	<p>वादी वकील उप. 1 प्रतिवादी नं. 2 की ओर से श्री सुरेश चंद शर्मा Adv. ने कालांतरमा पेश किया। प्रतिवादी नं. 3, 4 अबूदख्तार उपस्थित नहीं थे, उनके रिजल्ट एक पक्षीय कार्यवाही की गयी है प्रतिवादी नं. 1 का सम्मन बदलावहीत प्राप्त नहीं है बन्तजाए सम्मन व अवक दावा दि. 11-4-16 को पेश हो।</p> <p>  </p> <p>पत्रावली पेश हुई। वार की ओर से कार्य स्थगन रखा गया है। पीठावन अधिवक्ता... है। गतानुसार दिनांक... 9-5-16 को पेश हो।</p>	<p>3/11/16</p> <p>3/11/16</p>

दिनांक	फर्द अहकाम
18.7.16	पत्रावली अंतराल तारीख पेशी से पेश हुई। वकूलाय उप.। वास्ते तलवी प्रतिवादी नं. 1 तथा वास्ते जब्ब प्रतिवादी नं. 2 दि. 9.8.16 को पेश हो।
9-8-16	वादी की ओर से श्री सुनील कुमार जिंदल A.M.V. ने नया वकालतनामा पेश किया प्रतिवादी वकील उपस्थित। P.O. साहब मीछे में भरतपुर पद्वारे है। गतानुसार वास्ते जब्ब दिनांक 14.9.16 को पेश हो।
14 ⁹ / ₁₆	वकूलाय उप.। ^{तलवी} जवाय पेश कले के लिख समप पाए। काट्टिका दिनांक 17-10-16 को पेश हो।
17 ¹⁰ / ₁₆	वकूलाय उप.। गतानुसार दिनांक 17-11-16 को पेश हो।
17.11.16	वकूलाय उप.। गतानुसार वास्ते तलवी व जब्ब दिनांक 21-12-16 को पेश हो।
21-12-16	वकूलाय उप.। वादी वकील जे. द. 023R.। C.P. पेश किया। गतानुसार दिनांक 5-1-17 को पेश हो।

5-11) - शिवमारा

5-11) बकुलाय उपा। पेश कैसे जबब दए दिनांक 11-11 को पेश हो।

11-11)

बकुलाय उपा। वादी वकील को प्रार्थना पत्र 023 R.1 CPE का प्रतिवादी वकील ने जबब पेश किया। नकल दिलाई। वकील उभय पक्ष ने बहस करने का कथन किया। वादी वकील ने दरमं वर्णित तथ्यों को दोहराया कि वादीगण की ओर से दावा पेश करते समय गलत ड्राफ्ट हो गया है। प्रतिवादीगण की तलकी में ही यह दावा चल रहा है। इसलिए द. 023(R.1) CPE स्वीकार करते हुए वादीगण को दूसरा वाद पेश करने की इजाजत दी जाय। प्रतिवादी वकील ने प्रार्थना पत्र के जबब में वर्णित तथ्यों को दोहराया कि प्रार्थना पत्र में ऐसा कोई तथ्य नहीं है जिसे द. स्वीकार की जाये तथा 023 R.1 एवं सबक्ले 3 के प्रावधानों के विपरीत होने से यह प्रार्थना पत्र 023 R.1 CPE खारिज किया जाये।

वकील उभय पक्ष की बहस पर मनन किया। बहस के दौरान उभय पक्ष को तथ्यों के आधार पर वादी की ओर से गलत प्रार्थना पत्र 023 R.1 CPE न्यायोचित प्रतीत होता है। अतः प्रार्थना पत्र 023 R.1 CPE वादी स्वीकार किया जाता है। वादी का दावा सिद्धा किया जाता है तथा दावा पेश करने की इजाजत दी जाती है पत्रावली फंसल शुभ्राए से गम्वर से कम हो दाखिल दफ्तार हो।

उप जिला कलेक्टर
जिला (मुंबई)